

अग्नि-1 मिसाइल



वर्तमान संदर्भ

भारत ने अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक प्रशिक्षित प्रक्षेपण करके रणनीतिक अस्त्र के संचालन और तकनीकी मापदंडों को सिद्ध कर दिया।



INDIA

Follow Us:



@khanglobalstudies

- ☑ यह मिसाइल उच्च सटीकता के साथ लक्ष्य भेदन की क्षमता रखती है।
- ☑ इसके प्रदर्शन को रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम सहित कई ट्रैकिंग सिस्टम द्वारा प्राप्त डेटा का उपयोग करके सिद्ध किया गया था।

अग्नि-1 मिसाइल

- ❖ अग्नि-1 एक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया था।
- ❖ यह एक एकल स्टेज, ठोस-ईंधन वाली मिसाइल है, जिससे इसे बनाए रखना और तैनात करना आसान हो जाता है।
- ❖ इसकी मारक क्षमता 700-900 किमी है, जो इसे पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मन देशों के लिये में लक्ष्य भेदने में सक्षम बनाती है।
- ❖ यह परमाणु वारहेड ले जाने में सक्षम है, जो भारत को एक विश्वसनीय परमाणु शक्ति उपलब्ध कराता है।
- ❖ अग्नि-1 मिसाइल के नवीनतम स्वरूप में अपडेट तकनीकी प्रणाली शामिल है जो इसे अधिक सटीक बनाती है और एक नया वारहेड है जो इसकी विनाशकारी शक्ति को बढ़ाता है।
- ❖ इसका पहला परीक्षण वर्ष 2002 में किया गया था और इसका 11 बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है।
- ❖ यह 15 मीटर लंबा और 12 टन वजनी है।
- ❖ यह एक ठोस-ईंधन रॉकेट मोटर द्वारा संचालित है।
- ❖ यह भारत के परमाणु निवारक का एक हिस्सा है और इसका उपयोग भारतीय सेना के सामरिक बल कमान (SFC) द्वारा किया जाता है।

भेदक क्षमता

01

अग्नि-1 मिसाइल भारत के परमाणु निवारक और क्षेत्र में शक्ति को प्रदर्शित करने की क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

02

यह एक अत्यधिक कुशल मिसाइल है जिसका निशाना बनाना अत्यंत मुश्किल है और यह लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेद सकती है।

03

इस मिसाइल के अद्यतन/अपडेट स्वरूप ने भारत की सुरक्षा के लिए इसे और भी कुशल बना दिया है।

क्षेत्रीय स्थिरता को बनाए रखने में यह मिसाइल अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि इसकी तैनाती एक निवारक के रूप में कार्य करती है एवं सामरिक संतुलन के सिद्धांतों को मजबूत करती है।

सामरिक बल कमान



1

सामरिक बल कमान (SFC) को कभी-कभी सामरिक परमाणु कमान कहा जाता है। यह भारत के न्यूक्लीयर कमांड प्राधिकरण (NCA) का हिस्सा है।

2

इसका कार्य देश के सामरिक और रणनीतिक परमाणु हथियारों के भंडार के प्रबंधन और प्रशासन करना है।

3

इसे 4 जनवरी, 2003 को वाजपेयी सरकार द्वारा बनाया गया था।

इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (IGMDP)

➤ IGMDP की कल्पना, प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने की थी ताकि भारत मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल कर सके।

1

2

आईजीएमडीपी को अंततः जुलाई 1983 में भारत सरकार से मंजूरी मिल गई। इस महत्वाकांक्षी समयबद्ध परियोजना ने देश के वैज्ञानिक समुदाय, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं, उद्योगों और तीनों सेनाओं को रणनीतिक, स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों को आकार देने के लिए एक साथ एकत्रित किया।

1

पृथ्वी : न्यूनतम दूरी की, सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल।

2

अग्नि : मध्यम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल।

3

त्रिशूल : न्यूनतम दूरी की, निम्न-स्तरीय सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल।

4

आकाश : मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल।

5

नाग : तीसरी पीढ़ी की एंटी टैंक मिसाइल।

मिसाइल प्रौद्योगिकी में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 8 जनवरी, 2008 को औपचारिक रूप से आईजीएमडीपी के सफल समापन की घोषणा की।



Agni-1 Missile



KHAN SIR



Current Context

India carried out a successful training launch of the Agni-1 ballistic missile that validated all operational and technical parameters of the strategic weapon.



INDIA


Follow Us:



@khanglobalstudies

- ✓ The missile is a proven system, capable of striking targets with a **very high degree of precision**.
- ✓ Performance was validated using data obtained by many **tracking systems, including radar, telemetry and electro-optical systems**.

Agni-1 Missile

- ❖ Agni-I is a **medium-range ballistic missile** that was **developed by the DRDO** under the **Integrated Guided Missile Development Program**.
 - ❖ It is a single-stage, solid-fuel missile, which makes it easier to maintain and deploy.
 - ❖ It is road-mobile, which gives it a high degree of mobility and makes it difficult for an enemy to target.
 - ❖ It has a range of 700-900 km, which gives it the ability to strike targets in Pakistan and China.
 - ❖ It is capable of carrying a nuclear warhead, which gives India a credible nuclear deterrent.
 - ❖ The latest upgrade to the Agni-1 missile includes a new guidance system that makes it more accurate and a new warhead that increases its destructive power.
 - ❖ It was first test-fired in 2002 and has been successfully test-fired 11 times.
 - ❖ It is 15 meters long and weighs 12 tonnes.
 - ❖ It is powered by a solid-fuel rocket motor.
 - ❖ It is a part of India's nuclear deterrent and is used by the **Strategic Forces Command (SFC)** of the Indian Army.
- 

Deterrence Capability

01

The Agni-1 missile is an important part of India's nuclear deterrent and its ability to project power in the region.

02

It is a highly capable missile that is difficult to target and can strike targets at long ranges.

03

The latest upgrade to the missile has made it even more capable and will further enhance India's security.

This missile maintains regional stability, as its deployment serves as a deterrent and reinforces the principles of strategic balance.

Strategic Forces Command (SFC)



1

The SFC, sometimes called Strategic Nuclear Command, forms part of India's Nuclear Command Authority (NCA).

2

It is responsible for the management and administration of the country's tactical and strategic nuclear weapons stockpile

3

It was created on 4 January 2003 by the Vajpayee Government.

Integrated Guided Missile Development Programme (IGMDP)

- The IGMDP was conceived by renowned scientist Dr. A P J Abdul Kalam to enable India to attain **self-sufficiency** in the field of missile technology.

1

2

- The IGMDP finally got approval from the Government of India in July 1983. The ambitious time-bound project brought together the country's scientific community, academic institutions, R&D laboratories, industries and the three services in giving shape to the strategic, indigenous missile systems.

The missiles developed under the programme were

1

Prithvi: Short-range surface-to-surface ballistic missile.

2

Agni: Intermediate-range surface-to-surface ballistic missile.

3

Trishul: Short-range low-level surface-to-air missile.

4

Akash: Medium-range surface-to-air missile.

5

Nag: Third-generation anti-tank missile.

After achieving the goal of making India self-reliant in missile technology, the DRDO on January 8, 2008, formally announced successful completion of the IGMDP.



Follow Us:        

@khanglobalstudies